S-182 Roll No. ……..

MASL–104

नाटक एवं नाट्यशास्त्र

एम. ए. संस्कृत (एम. ए. एस. एल.-12/16/17)

प्रथम वर्ष, सत्र, 2018

समय 3 घण्टे पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नाट्यशास्त्र का परिचय देते हुए उसके प्रतिपाद्य विषय का वर्णन कीजिए।
2. रूपक के भेदों का निरूपण कर पंचसन्धियों के महत्त्व पर निबन्ध लिखिए।

3. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :

(क) संतानवाहीन्यपि मानुषाणां
दुःखानि संबन्धि वियोगजानि।
दृष्टे जने प्रेयसि दुःसहानि
स्रोतः सहस्रैरिव संप्लवन्ते॥

(ख) जनकानां रघूणां च सम्बन्धः कस्य न प्रियः।
यत्र दाता ग्रहीता च स्वयं कुशिकनन्दनः॥

(ग) विश्वम्भरा भगवती भवतीमसूत
राजा प्रजायति समो जनकः पिता ते,
तेषां वधूस्त्वमसि नन्दिनि पार्थिवानां
येषां कुलेषु सविता च गुरुर्वयं च॥

4. दशरूपक के अनुसार नायक तथा नायिका के भेदों का निरुपण कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भवभूति की कृतियों का परिचय दीजिए।
2. नाट्यशास्त्र के प्रतिपाद्य विषय पर एक टिप्पणी लिखिए।
3. टिप्पणी लिखिए—"कारुण्यं भवभूतिरेव तनुते"।

4. पंच अर्थप्रकृतियों का विवेचन कीजिए।
5. "उत्तररामचरितम्" का नाट्यशास्त्रीय विवेचन प्रस्तुत कीजिए।
6. "सतां सद्भिः संगो लोके कथमपि हि पुण्येन भवति" की व्याख्या कीजिए।
7. "यथा स्त्रीणां तथा वाचां साधुत्त्वे दुर्जनो जनः" पर एक टिप्पणी लिखिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. "क्षमावान् अविकत्थनः" किस नायक का लक्षण है ?
   (अ) धीरोदात्त
   (ब) धीरललित
   (स) धीरप्रशान्त
   (द) उपर्युक्त सभी
2. अर्थ के अनुसार किनकी वाणी चलती है ?
   (अ) लौकिक साधुओं की
   (ब) मुनियों की
   (स) ऋषियों की
   (द) कवियों की
3. 'उत्तररामचरितम्' में प्रधान रस है :
   (अ) हास्य

(ब) करुण

(स) वीर

(द) इनमें से कोई नहीं

4. सज्जनों का सज्जनों से मिलना कैसे होता है ?

(अ) पुण्य से

(ब) समय से

(स) देर से

(द) धन से

5. 'महावीरचरितम्' किसकी रचना है ?

(अ) भवभूति की

(ब) कालिदास की

(स) भास की

(द) व्यास की

6. 'मालतीमाधव' रूपक का कौन-सा भेद है ?

(अ) नाटक

(ब) प्रकरण

(स) भाण

(द) वीथी

7. नायक के व्यापार की वृत्तियाँ हैं :

(अ) दो

(ब) तीन

(स) चार

(द) पाँच

8. अभिनय को लिया गया है :

(अ) ऋग्वेद से

(ब) यजुर्वेद से

(स) सामवेद से

(द) अथर्ववेद से

9. नाट्यशास्त्र के टीकाकार हैं :

(अ) तुम्बुरु

(ब) भास

(स) मम्मट

(द) इनमें से कोई नहीं

10. गीत की उत्पत्ति किस वेद से मानी गयी है ?

(अ) अथर्ववेद से

(ब) सामवेद से

(स) ऋग्वेद से

(द) यजुर्वेद से